DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

07 जनवरी 2023

17वां प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन 2023

सन्दर्भ

17वे प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन का आयोजन 08-10 जनवरी, 2023 को मध्य प्रदेश सरकार के सहयोग से इंदौर, मध्य प्रदेश में हो रहा है।

प्रवासी भारतीय दिवस (पीबीडी) के बारे में

- प्रवासी भारतीय दिवस या एनआरआई दिवस औपचारिक रूप से 9 जनवरी को मनाया जाता है जब महात्मा गांधी दक्षिण अफ्रीका से मुंबई, भारत लौटे थे।
- ध्यातव्य है कि यह घटना 1915 में हुई थी।
- यह दिन भारत के विकास में अनिवासी भारतीय समुदाय के योगदान को याद करने के लिए भी मनाया जाता है।
- ·भारत गणराज्य के लोगों एनआरआई दिवस पहली बार 2003 में द्वारा मनाया गया था।

17वें प्रवासी भारतीय दिवस 2023 के बारे में:

- 17वां प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन मध्य प्रदेश सरकार के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है।
- इस पीबीडी सम्मेलन का विषय "प्रवासी: अमृत काल में भारत की प्रगति के लिए विश्वसनीय भागीदार"है। इस दिन सुरक्षित, कानूनी, व्यवस्थित और कुशल प्रवासन के महत्व को रेखांकित करने के लिए एक स्मारक डाक टिकट 'सुरक्षित जाएं, प्रशिक्षित जाएं' जारी किया जाएगा।
- प्रधानमंत्री भारत की स्वतंत्रता में हमारे प्रवासी स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को उजागर करने के लिए "आजादी का अमृत महोत्सव - भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में डायस्पोरा का योगदान" विषय पर पहली बार डिजिटल प्रवासी भारतीय दिवस प्रदर्शनी का भी उद्घाटन करेंगे।
- 10 जनवरी 2023 को राष्ट्रपति प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार 2023 प्रदान करेंगे और समापन सत्र की अध्यक्षता करेंगे।
- प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन में पांच विषयगत पूर्ण सत्र होंगे-
  - नवोन्मेष और नई प्रौद्योगिकियों में 'प्रवासी युवाओं की भूमिका' पर पहला पूर्ण सत्र।
  - भारतीय हेल्थकेयर इको-सिस्टम को बढ़ावा देने में भारतीय डायस्पोरा की भूमिका पर दूसरा पूर्ण सत्र।
  - भारत की सॉफ्ट पावर का लाभ उठाने पर तीसरा पूर्ण सत्र।
  - 'भारतीय कार्यबल की वैश्विक गतिशीलता को सक्षम करने' पर चौथा पूर्ण सत्र।
  - 'डायस्पोरा की क्षमता का दोहन' पर पांचवां पूर्ण सत्र
  - राष्ट्र निर्माण के लिए एक समावेशी दृष्टिकोण की ओर उद्यमी।

मसौदा यूजीसी (भारत में विदेशी उच्च शिक्षा संस्थानों के परिसरों की स्थापना और संचालन) विनियम 2023

प्रसंग

हाल ही में, उच्च शिक्षा नियामक विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने विदेशी विश्वविद्यालयों को भारत में प्रवेश करने की अनुमति देने के लिए मसौदा नियम जारी किए हैं।

प्रमुख बिंदु

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 में शीर्ष वैश्विक विश्वविद्यालयों को भारत में संचालित करने की अनुमति देने के लिए एक विधायी ढांचे की परिकल्पना की गई है।
- मसौदा मानदंडों के अनुसार विदेशी विश्वविद्यालय भारत में अपने परिसर स्थापित कर सकते हैं, अपनी प्रवेश प्रक्रिया, शुल्क संरचना तय कर सकते हैं, और अपने मूल परिसरों में धन प्रत्यावर्तित करने में भी सक्षम होंगे।
- यह भारतीय बाजार का में इच्छुक विदेशी एजुकेशनल प्लेयर्स को काफी स्वतंत्रता प्रदान करता है।
- यह रेखांकित करता है कि वे ऐसे किसी भी "अध्ययन के कार्यक्रम" की पेशकश नहीं करेंगे जो भारत के राष्ट्रीय हित या भारत में उच्च शिक्षा के

पात्रता

- वैश्विक रैंकिंग में भाग लेने वाले विश्वविद्यालयों को भारत में कैंपस स्थापित करने के लिए आवेदन करने के लिए या तो समग्र या विषयवार श्रेणी में शीर्ष 500 में स्थान की आवश्यकता होगी।
- जो लोग ऐसी रैंकिंग में भाग नहीं लेते हैं उन्हें अपने संबंधित देशों में "प्रतिष्ठित" होने की आवश्यकता होगी।
- हालाँकि मसौदा नियमो विश्वविद्यालय की 'प्रतिष्ठा' शब्द के मानदंड निर्धारित नहीं किये गए हैं।

अनुमोदन

- प्रारंभ में, विश्वविद्यालयों को 10 वर्षों के लिए संचालित करने की स्वीकृति प्रदान की जाएगी।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

मानकों को खतरे में डालता हो।

- यह मसौदा विदेशी शैक्षिक संस्थानों को निम्नलिखित हेतु प्रतिबंधित करता है -
  - भारत की संप्रभुता और अखंडता।
  - राज्य की सुरक्षा।
  - विदेशी राज्यों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध।
  - सार्वजनिक व्यवस्था, शालीनता, या नैतिकता।
  - नौवें वर्ष के अंत में, उन्हें अनुमोदन के नवीनीकरण के लिए फाइल करनी होगी।

वित्तीयन प्रबंधन:-

- विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम, 1999 के तहत धन की सीमा पार आवाजाही।

डिग्री की वैधता

- विदेशी एचईआई द्वारा उनके मूल देश में प्रदान की गई डिग्री के साथ समानता।

संक्षिप्त सुर्खियां

शगोल कांगजेई

प्रसंग

हाल ही में, भारत के गृह मंत्री ने इंफाल पूर्वी जिले के हिंगांग में इबुधौ मार्जिंग परिसर में एक पोलो खिलाड़ी की 122 फीट ऊंची सागोल कांगजेई (पोलो) प्रतिमा का उद्घाटन किया।

प्रमुख बिंदु :-

- कहा जाता है कि आधुनिक पोलो की उत्पत्ति मणिपुर के स्वदेशी खेल शगोल कांगजेई से हुई है।
- इस खेल में खिलाड़ी घोड़ों ,विशेष रूप से मणिपुरी टट्टू की सवारी करते हैं। जिनका उल्लेख 14वीं शताब्दी के अभिलेखों में मिलता है।
- मणिपुर टट्टू ,भारत की पाँच मान्यता प्राप्त घोड़ों की नस्लों में से एक है, और मणिपुरी समाज के लिए इसका व्यापक सांस्कृतिक महत्व है।
- मर्जिंग पोलो कॉम्प्लेक्स को मणिपुर टट्टू के संरक्षण के तरीके के रूप में विकसित किया गया है।
- मणिपुर टट्टू पौराणिक कथाओं में पाया जाता है तथा इसे मौखिक परंपरा, गाथागीत और अनुष्ठानों में मनाया जाता है।

भारतीय सेना द्वारा की गई संयुक्त राष्ट्र मिशन हेतु महिला शांति सैनिकों सबसे बड़ी टुकड़ी तैनाती

संदर्भ

प्रधानमंत्री ने सूचित किया कि भारतीय सेना ने अबेई, UNISFA में संयुक्त राष्ट्र मिशन में महिला शांति सैनिकों की अपनी सबसे बड़ी टुकड़ी को तैनात की है ।

संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना के बारे में:

- शांति स्थापना ,संयुक्त राष्ट्र के लिए उपलब्ध सबसे प्रभावी उपकरणों में से एक है ,यह मेजबान देशों को संघर्ष से शांति तक के कठिन रास्ते पर ले जाने में सहायता करता है।
- शांति स्थापना में वैधता, बर्डेन शेयरिंग ,और दुनिया भर से सैनिकों और पुलिस को तैनात करने , बनाए रखने तथा बहुआयामी जनादेशों को आगे बढ़ाने के लिए नागरिक शांति सैनिकों के साथ एकीकृत करने की क्षमता होती है।
- संयुक्त राष्ट्र के शांति रक्षक सुरक्षा और देशों को संघर्ष से शांति के लिए कठिन, प्रारंभिक संक्रमण में मदद करने के लिए राजनीतिक और शांति निर्माण समर्थन प्रदान करते हैं।
- संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना तीन बुनियादी सिद्धांतों द्वारा निर्देशित है:
  - पार्टियों की सहमति
  - निष्पक्षता

	▪ आत्मरक्षा और जनादेश की रक्षा को छोड़कर बल का प्रयोग पर प्रतिबन्ध । • शांति स्थापना लचीला है और पिछले दो दशकों में कई विन्यासों में तैनात किया गया है। • वर्तमान में तीन महाद्वीपों पर संयुक्त राष्ट्र के 12 शांति अभियान क्रियान्वित हैं ।
पर्पल फेस्ट: विविधता का उत्सव	**प्रसंग** हाल ही में, , 'पर्पल फेस्ट: सेलिब्रेटिंग डायवर्सिटी' (भारत का अपनी तरह का पहला समारोह) का आयोजन गोवा में किया गया । **प्रमुख बिंदु** :- • पर्पल फेस्ट की मेजबानी गोवा राज्य विकलांग व्यक्तियों के आयोग द्वारा गोवा के समाज कल्याण और मनोरंजन सोसायटी निदेशालय के सहयोग से की जाएगी। • त्योहार का उद्देश्य यह दिखाना है कि कैसे हम सभी के लिए एक स्वागत योग्य और समावेशी दुनिया बनाने के लिए एक साथ आ सकते हैं। • यह दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के एजेंडे को आगे बढ़ाने में काफी मददगार साबित होगा। • ऐसे उत्सव विकलांग व्यक्तियों के आत्मविश्वास को बढ़ाने के साथ-साथ समाज को उनकी जरूरतों और मुद्दों के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए आवश्यक हैं।
उचित और लाभकारी मूल्य (FRP)	**सन्दर्भ :-** हाल ही में हरियाणा में गन्ना किसानो ने फसल के समर्थन मूल्य में बढ़ोतरी की मांग को लेकर राज्य भर की चीनी मिलों के बाहर धरना दिया । **एफआरपी के बारे में** • एफआरपी सरकार द्वारा घोषित मूल्य है, जिसमे मिलें किसानों से खरीदे गए गन्ने के लिए भुगतान करने के लिए कानूनी रूप से बाध्य हैं। • इस अवधारणा को 2009 में प्रस्तुत किया गया था। एफआरपी के द्वारा वैधानिक न्यूनतम मूल्य (SMP) की अवधारणा को प्रतिस्थापित किया गया था। **एफआरपी का निर्धारण** • चूंकि चीनी मूल्य निर्धारण समवर्ती सूची के अंतर्गत आता है, अतः सर्वोच्च न्यायालय ने माना है कि केंद्र और राज्य दोनों के पास गन्ने की कीमतों को तय करने की शक्ति है। केंद्र द्वारा निर्धारित मूल्य न्यूनतम रहता है ,राज्यो द्वारा निर्धारित एसएपी सदैव केंद्र की एफ.आर.पी. से अधिक होगी। • केंद्र सरकार ,राज्य सरकारों और चीनी उद्योगों के परामर्श से उचित और लाभकारी कीमतों की घोषणा करती है. • ये कीमतें कृषि लागत और मूल्य आयोग (सीएसीपी) की सिफारिश पर तय की जाती हैं और इसकी घोषणा प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली आर्थिक मामलों की कैबिनेट कमेटी करती है। • SAP- स्टेट एडवाइज्ड प्राइस या SAP राज्य सरकार द्वारा घोषित कीमत है जो सदैव एफआरपी से अधिक रहती है
दीपोर बील	**सन्दर्भ :-** हाल ही में, असम कैबिनेट ने दीपोर बील की सीमा के साथ सात जंबो कॉरिडोर में हाथी अंडरपास के निर्माण को मंजूरी दी। **मुख्य विशेषताएं:**

- दीपोर बील गुवाहाटी शहर से 10 किमी दक्षिण-पश्चिम में स्थित एक बारहमासी मीठे पानी की झील है।
- यह असम में एकमात्र आर्द्रभूमि है जिसे आर्द्रभूमियों पर रामसर सम्मेलन के तहत "संरक्षण और सतत उपयोग" के लिए महत्व के स्थल के रूप में नामित किया गया है।
- यह अपनी मछली और पक्षी विविधता और समृद्ध जलीय वनस्पति के लिए प्रसिद्ध है यह जंगली हाथियों को आकर्षित करता है। हालाँकि कचरा डंपिंग, उत्खनन और रेलवे लाइन के निर्माण यह संकटग्रस्त स्थिति में पहुंच रहा है।
- यह प्रवासी पक्षियों की लगभग 70 प्रजातियों सहित पक्षियों की 200 से अधिक प्रजातियों का आवास स्थल है।
- यह विश्व स्तर पर संकटग्रस्त कुछ पछियों जिनमें स्पॉट-बिल्ड पेलिकन, लेसर ग्रेटर एडजुटेंट स्टॉर्क और बेयर्स पोचार्ड को भी संरक्षण प्रदान करता हैं।
- बील के दक्षिणी हिस्से में एशियाई हाथियों के आवास रानी और गरभंगा पहाड़ियां, इस पारिस्थितिकी तंत्र का हिस्सा हैं।
- 2021 में पर्यावरण मंत्रालय ने इसे इको-सेंसिटिव ज़ोन के रूप में अधिसूचित किया।

पहली बार Y20 शिखर सम्मेलन का मेजबान बना भारत

सन्दर्भ

केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री ने Y20 समिट इंडिया के कर्टेन रेजर इवेंट में Y20 समिट की थीम, लोगो और वेबसाइट लॉन्च की।

मुख्य विशेषताएं:

- भारत पहली बार Y20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है।
- आयोजन के दूसरे सत्र में युवा उपलब्धि हासिल करने वालों की पैनल चर्चा भी होगी।
- यूथ 20 (वाई20) सभी जी20 सदस्य देशों के युवाओं के लिए एक दूसरे के साथ संवाद करने में सक्षम होने के लिए एक आधिकारिक परामर्श मंच है।
- अगले 8 महीनों के लिए, अंतिम यूथ-20 शिखर सम्मेलन के क्रम में भारत के विभिन्न राज्यों के विभिन्न विश्वविद्यालयों में विभिन्न चर्चाओं और सेमिनारों के साथ-साथ पांच Y20 (युवा 20) विषयों पर पूर्व शिखर सम्मेलन होंगे।
- भारत का मुख्य फोकस दुनिया भर के युवा नेताओं को एक साथ लाना और बेहतर कल के लिए विचारों पर चर्चा करना और कार्रवाई के लिए एक एजेंडा तैयार करना है।
- भारत की अध्यक्षता के दौरान Y20 द्वारा की जाने वाली गतिविधियाँ वैश्विक युवा नेतृत्व और साझेदारी पर केंद्रित होंगी।
- वसुधैव कुटुम्बकम के विचार को साकार करने के लिए समग्र कल्याण सुनिश्चित करने के लिए भारत अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर व्यावहारिक समाधान खोजने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

एस्ट्रो टूरिज्म- इंडिया गेट पर एक स्काई गेजिंग इवेंट

सन्दर्भ :-

राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद (NCSM) ने नेहरू मेमोरियल संग्रहालय और पुस्तकालय (NMML) के सहयोग से एस्ट्रो टूरिज्म- इंडिया गेट पर एक स्काई गेजिंग कार्यक्रम का आयोजन किया।

मुख्य विशेषताएं:

- इस कार्यक्रम का उद्घाटन संस्कृति राज्य मंत्री द्वारा किया गया था।

	• यह कार्यक्रम लोगों में वैज्ञानिक सोच विकसित करने में मदद करेगा जो कि संविधान में वर्णित मौलिक कर्तव्यों में से एक है। • एस्ट्रो टूरिज्म इवेंट में विशेषज्ञ खगोलविदों द्वारा एस्ट्रो वार्ता, खगोल विज्ञान पर प्रदर्शनी, आकाशीय पिंडों से संबंधित कहानी सुनाना, चंद्रमा के क्रेटर्स को देखने के लिए टेलीस्कोप का उपयोग करने का अनुभव, खगोल विज्ञान गतिविधियां, फोटोग्राफिक पैनल प्रदर्शनी, एस्ट्रो-फोटोग्राफी जैसी विभिन्न गतिविधियां शामिल हैं। • यह 3 दिवसीय कार्यक्रम सभी आयु वर्ग के बच्चों के लिए सीखने का एक शानदार अनुभव होगा, क्योंकि यह संवादात्मक और व्यावहारिक होगा और विज्ञान को लोकप्रिय तरीके से प्रस्तुत करने का सबसे अच्छा तरीका होगा। • ・यह कार्यक्रम विभिन्न गतिविधियों के साथ 7 और 8 जनवरी को जारी रहेगा।
हवाई का किलाउआ ज्वालामुखी में पुनः विस्फोट 	**सन्दर्भ :-** अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने कहा, हवाई के किलाउआ ने अपने शिखर क्रेटर के अंदर विस्फोट करना शुरू कर दिया। इस ज्वालामुखी और उसके पड़ोसी मौना लोआ द्वारा लावा फूटने के 1 माह बाद ही इसमें पुनः विस्फोट हुआ है। **मुख्य विशेषताएं:** • किलाउआ का शिखर हवाई ज्वालामुखी राष्ट्रीय उद्यान के अंदर और आवासीय से दूर है • किलाउआ दुनिया के सबसे सक्रिय ज्वालामुखियों में से एक है। • चुकी मौना लोआ ज्वालामुखी 38 वर्षों के बाद विस्फोटक हुआ है उसके बाद हवाई में दो ज्वालामुखी एक साथ सक्रीय हो गए हैं। दोनों ज्वालामुखियों का उद्गार लगभग एक ही समय पर रुका। • वैज्ञानिकों ने दो ज्वालामुखियों के बीच संबंध का अध्ययन करने के लिए डेटा देखने की योजना बनाई। • मूल हवाईवासियों के लिए, ज्वालामुखी विस्फोटों का गहरा सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व है। • मौना लोआ के विस्फोट के दौरान, कई हवाईवासियों ने सांस्कृतिक परंपराओं में जैसे ज्वालामुखियों और आग के देवता का सम्मान करने के लिए गायन, मंत्रोच्चारण और नृत्य, और "हुकुपू" के रूप में जाना जाने वाला प्रसाद छोड़ना, में भाग लिया।

MCQ, Current Affairs, Daily Pre Pare